

# English Revolution (इंग्लैंड की क्रांति)

इंग्लैंड की क्रांति सत्रहवीं शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है और इसके दरम्यान परिणाम थे। क्रांति के राजनीतिक आग्राम ने मुख्य रूप से राजा और संसद के बीच सत्ता के संबंध का रूप ले लिया।

इंग्लैंड में 1642 और 1660 के बीच की अवधि एक उद्योग-पुधत और टकराव का वर्णन करने के लिए विभिन्न इतिहासकारों ने 'ग्रेट बार्डर' कई विशेषताओं के आधार पर इंग्लैंड की क्रांति या गृहयुद्ध के नाम से जाना जाता है।

इंग्लैंड की क्रांति और आगामी पुन-स्थापना और 'ग्रेवआली क्रांति' इंग्लैंड के इतिहास का एक बहुत महत्वपूर्ण दौर था। इसने मविष्य की ब्रिटिश राजनीतिक प्रणाली जिसको संवैधानिक राजतंत्र के रूप में चिह्नित किया गया, उसके आधार का निर्माण किया था। इसने ब्रिटेन और यूरोपीय महाद्वीप के बीच समानता और अंतर के बीच बने जो अंतर का काम है। इस अवधि के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक विकासों ने राजनीतिक टकरावों के लिए आधार तैयार किया; क्योंकि यह राजा और संसद के बीच सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है।

इंग्लैंड क्रांति, जिसे विशेषकर 17वीं शदी में व्यक्त हुई, एक राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया थी। इसकी मुख्य उद्देश्य अखिर में सामंजस्य और राजतंत्र के मुद्दे थे, जिससे नए सामाजिक और राजनीतिक ढांचे की शुरुआत होना हुई। इसके परिणामस्वरूप, इंग्लैंड में नया सामंजस्य संवैधानिक सामंजस्य और सामाजिक स्वतंत्रता की प्रणाली उत्पन्न हुई।

Dr. Umesh Kumar Rai  
Dept. of History  
S. B. College, Ara